...वो कौन पगले लोग थे, जिनको तोड़ने में आनंद की प्राप्ति हुई

गरीबों पर हुई कार्रवाई के विरोध में उतरीं पूर्व सीएम

सुबह ठेले पर बेचा पोहा फिर ठेले वालों से की मुलाकात

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़.

...मुझे तो समझ नहीं आ रहा है, वो कौन पगले लोग थे, जिनको ठिलिया तोड़ने में आनंद की प्राप्ति हो रही थी. ठिलिया सस्ते में थोड़ी बनती है लोग बड़ी मेहनत से उसे खरीदते हैं. एक आदमी रो रहा था यहां मैदान में कि तीन साल की कमाई से ठिलिया बनवा पाए थे. आपने उसके ऐसे टुकड़े-टुकड़े कर दिए कि दुवारा वह मिलेगी ही नहीं. इन बेचारों का तो इंश्योरेंस भी नहीं होगा. वह टूट गई हैं अब दुवारा बन नहीं सकती. इस पूरे मामले में सबसे पहले कार्यवाही तो उस पर होना चाहिए न जिसने यहां अनदेखी की है कि यह अतिक्रमण कैसा हो गया. गरीबों को पहले ही रोक दिया जाता तो नुकसान तो नहीं होता. यह बात पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती ने टीकमगढ़ में बीते दिन की गई अतिक्रमण कार्रवाई के विरोध में कही.

दरअसल बीते दिनों ट्राफिक व्यवस्था को दुरस्त करने के लिए प्रशासनिक अमले ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का हवाला देते हुए एक कार्यवाही को अंजाम दिया था. इस कार्यवाही में फुटपाथ पर खड़े होने वाले ठेले, ठिलिया दुकानों पर बेतरतीव तरीके से बुलडोजर चलाकर गरीबों का रोजगार नष्ट कर दिया था. अब यह मामला तूल पकड़ गया है. मामले की जानकारी लगते ही पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती मुखर हो गई और उन्होंने इस पूरे घटना स्थल का जायजा सोमवार की देर रात लिया. उन्होंने इस दौरान कार्यवाही को गलत ठहराते हुए कहा कि अगर कार्यवाही करनी थी तो पहले अमीरों को इसमें लेते परन्तु यहां क्या पता क्यों गरीबों को निशाना बनाया गया है. सुश्री भारती यहीं नहीं रुकी मंगलवार को सुबह फिर वह उसी स्थान पर पहुंची और उन्होंने एक ठेले पर पोहा एवं जलेवी लोगों को परोसी. उन्होंने कहा कि मुझे मेरे सुरक्षा कर्मियों ने यह जानकारी दी थी कि यहां लगने वाले फुटपाथ के दुकानदारों की दुकानों को तोड़ा गया है. उमा भारती ने जिला प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि गरीबों पर अत्याचार वह बर्दास्त नहीं करेंगी. चाहे वह भोपाल में हो या फिर दिल्ली में. उन्होंने कहा कि अपने जिले वासियों के लिए वह हमेशा लड़ने के लिए तैयार हैं. इतना ही नहीं आगे कहा कि वह कहीं भी रहेंगी सिर्फ 12 घंटे के अंदर पहुंचकर ऐसी गलत कार्यवाहियों का विरोध करेंगी. पूर्व मुख्यमंत्री ने जिन दुकानदारों का नुकसान हुआ है उसके भरपाई करने पर भी विचार करने की बात कही. इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि इसमें जो भी दोषी होगा उसे 15 दिन में पता चल जाएगा.

इन दुकानदारों का सामान होगा वापस

अतिक्रमण के दौरान जिनका सामान नगर पालिका अमला ले गया था अब वह भाजपा पार्षदों की शिकायत के बाद वापिस होना शुरू हो गया है. इनमें मुकेश पाल, नरेन्द्र सिंधी, निर्मल रैकवार, अनंदी कुशवाहा, घनश्याम कुशवाहा, दीपक श्रीवास्तव, कल्लू साहू, राहुल सूत्रकार, नीरज कुशवाहा, हेमंत, राजेश, मुकेश, जशरथ, राजेश कुशवाहा, रामकिशन, रविन्द्र पाल, शाहरुख, रिंकू रैकवार, मनोज, वीरन कुशवाहा, राधे, जिनेन्द्र जैन, सुनील घोष, अशोक अहिरवार, बलराम कारी, शैलेन्द्र चढ़ार, आशा चढ़ार, वृन्दावन रैकवार, अखिलेश चढ़ार, सुखदीन रैकवार, रामू रैकवार, रूपेश पाल, राजकुमार गाजियाबाद, राजकुमार चढ़ार, लक्ष्मन कुशवाहा सहित अनेकों नाम शामिल हैं. इनका सामान जब्ती में नहीं लिया गया.

मैने मुख्यमंत्री मोहन यादव को मामला बता दिया है

इस पूरे मामले में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि जब कल रात मैंने इसकी निंदा की तो प्रदेश अध्यक्ष जी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव को इसकी जानकारी पहुंचाई है। उन्हें यह बताया गया है कि हमारी सरकार में किस तरह गरीबों का नुकसान अतिक्रमण कार्यवाही के नाम पर किया गया है। हमारे मुख्यमंत्री इस मामले की जांच कराकर कड़ा एक्शन लेने की तैयारी में है। निश्चित ही जो टीकमगढ़ में हुआ वह बेहद गलत है।

उदयपुर में अवैध खनन से मंदिरों पर संकट

▶ विस्फोटों से प्राचीन मंदिर में दरारें ▶ वन भूमि को राजस्व में बदलने की मांग तेज

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 7 अप्रैल. उदयपुर क्षेत्र में जारी अवैध पत्थर उत्खनन अब गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है. इसका असर अब क्षेत्र की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों पर भी साफ दिखाई देने लगा है. जानकारी के अनुसार पत्थर तोड़ने के लिए किए जा रहे लगातार विस्फोटों के कारण कंपन उत्पन्न हो रहा है, जिससे उदयपुर के प्राचीन मंदिर में जगह-जगह दरारें आने लगी हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है, क्योंकि मंदिर की संरचना धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार इस मुद्दे को प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों के सामने उठाया गया, लेकिन पत्थर माफियाओं के प्रभाव के चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है. हालात यह हैं कि अवैध उत्खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं और वे बिना किसी डर के वन क्षेत्र में विस्फोट कर खनन कार्य जारी रखे हुए हैं. बताया जा रहा है कि उदयपुर से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक वन विभाग की आरक्षित भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है. कागजों में जहां घने जंगल और हरे-भरे पेड़ों का उल्लेख है, वहीं जमीनी हकीकत में जंगल लगभग साफ हो चुके हैं.

जेसीबी मशीनों से पहाड़ों को काटकर रास्ते बनाए गए हैं और प्राकृतिक संतुलन को भारी नुकसान पहुंचाया गया है. इससे पर्यावरण पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और क्षेत्र का तापमान भी बढ़ता महसूस किया जा रहा है.

खनिज माफिया इतने पावरफुल, सरकार भी बेबस

वन विभाग द्वारा निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती के बावजूद अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लग पाना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है. वहीं खनिज विभाग की भूमिका पर भी संदेह जताया जा रहा है, क्योंकि रॉयल्टी रसीद के माध्यम से अवैध पत्थर को वैध बनाकर बाहर भेजे जाने की बात सामने आ रही है. इस स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने मांग उठाई है कि उदयपुर क्षेत्र की वन भूमि को राजस्व भूमि में परिवर्तित कर खदानों की वैध नीलामी की जाए. उनका कहना है कि इससे शासन को करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होगा, बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा और मजदूर भयमुक्त होकर कार्य कर सकेंगे. साथ ही अवैध खनन और पत्थर माफियाओं के प्रभाव पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा.

जमीन विवाद : भाई ने भाई पर किया था हमला, 6 साल की सजा

राजगढ़. जमीन बंटवारे के विवाद में बड़े भाई द्वारा छोटे भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी को 6 वर्ष के कारावास से दंडित किया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 दिसंबर 2024 को शाम करीब 5 बजे आहत गोपाल गुर्जर अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था. इसी दौरान तालाब वाले खेत की मेढ़ के पास उसके बड़े भाई बाबूलाल ने जमीन बंटवारे की बात को लेकर विवाद करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी. इसके बाद आरोपी ने हाथ में ली कुल्हाड़ी से गोपाल के दाहिने हाथ की कलाई, दोनों पैरों के घुटनों तथा सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए.

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने लगाई आग

▶ इलाज के लिए बीएमसी में कराया गया भर्ती,

▶ दो नामजद सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

नवभारत न्यूज

सागर, 7 अप्रैल. जिले के खुरई में छेड़छाड़ से परेशान कक्षा नौवीं की दलित वर्ग छात्रा ने खुद पर डीजल डालकर आग लगा ली. उसको इलाज के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कालेज सागर में भर्ती कराया गया है.

डॉक्टर के अनुसार लड़की 35 से 40 फीसदी झुलसी है. छात्रा के पिता ने बताया कि बेटी मालथौन के सरकारी स्कूल में नौवीं क्लास में पढ़ती है, वह रोज बस से आना-जाना करती थी. 6 किमी दूर दूसरे गांव में रहने वाला एक लड़का भी उसी स्कूल में पढ़ता था. वह भी बस से आता-जाता था, लेकिन तीन महीने से वह बेटी को परेशान कर रहा था, आए दिन फोन कॉल करता था. एक बार उसे समझाया कि वह ऐसी हरकत न करे, लेकिन वह नहीं माना, इसके बाद थाने में शिकायत की. पिता के मुताबिक, शिकायत दर्ज कराने के बाद जब वह बेटी के साथ घर लौटे तो आरोपी अपने तीन साथियों के साथ उनके घर के सामने खड़ा था, चारों ने गालियां देना शुरू कर दीं, विरोध करने पर लात-घूंसों से पीटने लगे. घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए. घटना 5 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे मालथौन थाना इलाके की है. थाना प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि दो नामजद सहित चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं एवं एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है.

चारों आरोपी नाबालिग बताए जा रहे हैं. पिता के अनुसार, यह देख बेटी डर गई, वह घर के अंदर गई. उसने डीजल अपने ऊपर डालकर आग लगा ली. चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन अंदर पहुंचे, चादर से आग बुझाई, तब तक उसकी गर्दन, छाती का दाहिना हिस्सा और दोनों हाथ आदि झुलस चुके थे. परिजनों ने डायल 112 और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, पहले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालथौन ले जाया गया, वहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सागर रेफर कर दिया गया. पुलिस के अनुसार पीड़ित लड़की का कहना है कि गांव के लड़के कपिल लोधी और उसके साथी रास्ते में बात करते थे और बात करने के लिए कहते थे. मेने अपने पिता को यह बात बताई। पिता ने पुलिस में शिकायत की तो उन लड़कों ने पिता से मारपीट की, इससे घबराकर मैने आग लगाई.

पुलिस चौकी के पास राम जानकी मंदिर में चोरी

बीना. छोटी बजरिया स्थित पुलिस चौकी से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित राम जानकी मंदिर में चोरी हो गई. बीना में चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया.

जानकारी के अनुसार सुबह जब मंदिर के पुजारी पंडित प्रेम नारायण शास्त्री ने बताया कि विगत 30 वर्षों से भगवान की सेवा करने के बाद भगवान को विश्राम करने के लिए सुला दिया गया. जब मैंने मंदिर का गेट खोला और जल भरने के लिए मोटर चलाने के लिए गए तो देखा कि दरबार की चैनल गेट खुले हुए हैं, दान पेटी भी टूटी हुई है, शंका हुई की तेज आंधी से तो यह नहीं टूटने वाली एवं सभी दरबार के गेट खुले हुए हैं. मैंने पहले हनुमान जी के मंदिर को देखा तो हनुमान जी का छत्र गायब था. इसी तरह सभी दरबार से मिलाकर कुल 9 छत्र एवं राम लक्ष्मण जी के चांदी के धनुष बाण चोरी कर ले गए.

दो बीघा जमीन के लिए महिला के मुंह में ठूंसा कपड़ा, की पिटाई

नवभारत न्यूज

गुना. जिले के चांचौड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पेंची में जमीनी विवाद को लेकर हैवानियत का मामला सामने आया है. यहाँ मात्र दो बीघा जमीन के टुकड़े के लिए एक महिला को अकेला पाकर उसके साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि आरोपियों ने उसका मुंह कपड़े से बंद कर दिया ताकि उसकी चीखें बाहर न जा सकें. न्याय की उम्मीद में पीड़िता घायल अवस्था में ही जिला कलेक्ट्रेट पहुंची और जनसुनवाई में अपनी आपबीती सुनाई.

जख्मी हालत में अपने भाइयों के सहारे कलेक्ट्रेट पहुंचे रवीना पत्नी लक्ष्मण सिंह मीना ने जिला प्रशासन को बताया कि वह अपने खेत पर गई थी, जहाँ परिवार के ही दबंगों ने उसे घेर लिया. पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर

लाठी-डंडों से उस पर टूट पड़े. इस हमले में रवीना के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं.

पीड़ित महिला ने जनसुनवाई में दिए आवेदन में बताया कि करीब दो महीने पहले उनकी जमीन का विधिवत बंटवारा हो गया था. इस बंटवारे में 2 बीघा जमीन रवीना के परिवार के हिस्से में आई थी, लेकिन आरोपी पक्ष की नियत इस जमीन पर खराब है और वे लगातार कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं. पीड़िता का आरोप है कि उसके परिवार के साथ अब तक दो बार मारपीट की जा चुकी है.

छात्रावासों के हाल : शिक्षा के मंदिरों में अव्यवस्थाओं पर पनपा आक्रोश

नवभारत न्यूज

गुना 7 अप्रैल. जिले के निजी और सरकारी स्कूल और छात्रावासों के हाल बेहाल हैं. छात्र समय-समय पर प्रबंधन और शिक्षा विभाग को अव्यवस्थाओं से अवगत करा रहे हैं, लेकिन धरातल पर हालात नहीं बदल रहे हैं. मंगलवार को भी गुना में शिक्षा व्यवस्था के बिगड़ते हालात छात्रों ने उजागर किए.

एबीवीपी शिक्षा विभाग पहुंच गया और निजी व स्कूलों की अव्यवस्थाओं की पोल खोल दी. तो एक शासकीय हॉस्टल के छात्रों ने बताया कि कैसे प्रशासनिक अमला उन्हें परेशान कर रहा है.

जिले के शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ती अनियमितताओं और शिक्षा के व्यवसायीकरण के विरोध में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम एक 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा. संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. एबीवीपी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में शिक्षा का पूरी तरह से व्यापारीकरण हो चुका है.

स्कूल संचालकों व बुक सेलर को झटका

▶ हाईकोर्ट ने एफआईआर निरस्त करने से किया इंकार

▶ लंबित जांच शीघ्र पूरी करने के निर्देश

जबलपुर, 7 अप्रैल. मप्र हाईकोर्ट ने फीस घोटाला, डुप्लीकेट आईएसबीएन नंबर व अन्य मामलों में आरोपी बनाए गए स्कूल संचालकों, प्रबंधकों, प्राचार्य व पुस्तक विक्रेताओं को राहत देने से इंकार कर दिया है.

जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने उक्त लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त करने से इंकार कर दिया. हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए. इस मामले में कुछ आरोपियों, विशेषकर पुस्तक प्रकाशकों के विरुद्ध जांच लंबित है. हाईकोर्ट ने अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए जबलपुर के पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि वे लंबित जांच यथाशीघ्र पूरी करें.

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर कई निजी स्कूल के प्राचार्य, संचालक, प्रबंधन कमेटी के सदस्य, बुक पब्लिशर्स, पुस्तक विक्रेताओं के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज की गई थी. इन पर नियम विरुद्ध स्कूल फीस वृद्धि, डुप्लीकेट आईएसबीएन नंबर वाली पुस्तकों को लागू करने व अन्य अनियमितताओं का आरोप था. अधिकतर आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन ट्रायल जारी है. क्राइस्ट चर्च ब्वायज स्कूल की प्राचार्य लूवि मैरी साठे, क्राइस्ट चर्च डायोसीस स्कूल घमापुर की प्राचार्य एकता पीटर्स, बोर्ड स्ले स्कूल कटनी के प्राचार्य अतुल अनुपम अब्राहम, चिन्ड्रन बुक डिपो के शशांक श्रीवास्तव, चैतन्य टेक्नो स्कूल के चंद्रशेखर विश्वकर्मा और सूर्य प्रकाश वर्मा ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और ट्रायल को चुनौती दी गई थी. हाईकोर्ट ने सभी की याचिकाएं निरस्त कर दी.

बम्पर आवक से कृषि मंडी में लगा जाम

ब्यावरा. इन दिनों स्थानीय कृषि उपज मंडी में गेहूं सहित अन्य फसल की बम्पर आवक हो रही है. सोमवार अवकाश के बाद मंगलवार को मंडी में भारी आवक रही. बम्पर आवक के बीच मंडी परिसर में जाम के हालात बन गये. घंटो तक वाहन जाम में फंसे रहे. विशेषकर मंडी समय में ट्रको की आवाजाही के कारण जाम के हालात निर्मित होने से उपज लेकर आने वालो को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा. गौरतलब है कि फसल कटाई के बाद बड़ी तादाद में वाहनों के द्वारा उपज विक्रय करने मंडी में लाई जा रही है. बम्पर आवक बनी हुई है. सोमवार को साप्ताहिक अवकाश के बाद मंगलवार को नीलामी कार्य हुआ. समूचा मंडी परिसर उपज से भरे वाहनों से पटा हुआ नजर आ रहा था. गेहूं, सरसों व अन्य उपज के साथ ही लहसुन की भी बम्पर आवक रही. अतिरिक्त समय में हो भारी वाहनों की आवाजाही - यदि नीलामी समय के बाद ट्रक एवं भारी वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित कर दी जाये तो इससे काफी हद तक व्यवस्था में सुधार होकर जाम की समस्या दूर हो सकती है.

कार्यालय, नगरपालिका परिषद इटारसी जिला नर्मदापुरम

क्रं./लोक कर्म शाखा/2026 /25 — इटारसी दि. 06 .04 .2026

ई निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है. निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं	टेण्डर पोर्टल क्रं	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_497521_1	नगर इटारसी के विभिन्न वार्डों में जल प्रदाय व्यवस्था के सुचारू संचालन संधारण कार्य हेतु सामग्री क्रय कार्य.	80,00,000/-	10,000/- 60,000/-	05.05.2026 17.30
2.	2026_UAD_497543_1	वार्ड क्रं 22 शिवपुरी वार्ड में सुनील तिवारी के मकान के पास एवं वार्ड क्रं 25 भगतसिंह नगर में रोहित अहिरवार के मकान के पास तथा देशबंधुपुरा वार्ड में चिश्तिया आटा चक्की वाली गली, दुर्गा मंदिर के सामने टयूबबेल खनन निर्माण कार्य एवं शिवाजी नगर वार्ड के सुहाग मैरिज हॉल गार्डन के टयूबबेल एवं बोरबेल निर्माण कार्य. (द्वितीय आमंत्रण)	7,53,556/-	2,000/- 7540/-	13.04.2026 17.30

नोट – निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद इटारसी

परेशानी ▶ दो दिन के बाद भी नलों से टपक रहा बदबूदार और मटमैला पानी

लंबे इंतजार के बाद भी नसीब में गंदा पानी

▶ सेवन करना तो दूर सूंघने मात्र से आ रही उबकाई

▶ हालात नहीं सुधरे तो लोगों को हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

नवभारत न्यूज

सीहोर, 7 अप्रैल. शहरवासियों के लिए यह स्थिति किसी विडम्बना से कम नहीं है कि दो-दो दिन के लंबे इंतजार के बाद मिलने वाला नल का पानी भी साफ नहीं, बल्कि मटमैला, दूषित और बदबूदार निकल रहा है. नगरपालिका की नल-जल योजना पर निर्भर लोगों को अब पानी की गुणवत्ता को लेकर गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोग इस पानी का उपयोग पेयजल के रूप में तो दूर, दैनिक कार्यों के लिए भी नहीं कर पा रहे हैं.

गर्मी का मौसम शुरू होते ही शहर में जलसंकट ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है. नगरपालिका द्वारा पहले ही दो दिन के अंतराल से जलप्रदाय किया जा रहा है, वहीं कई इलाकों में यह अंतराल और भी लंबा हो जाता है. ऐसे में नागरिकों को उम्मीद रहती है कि कम से कम जो पानी मिल रहा है वह उपयोग योग्य होगा, लेकिन उनकी यह उम्मीद भी टूटती नजर आ रही है. नपा की इस लापरवाही के चलते अब शहर में पानी का निजी कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है. जमोनिया और भगवानपुरा तालाब के साथ ही पार्वती नदी पर बने काहिरी बंधान पर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट मौजूद होने के बावजूद शहरवासियों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है.

स्थिति यह है कि प्यास बुझाने के लिए लोगों को निजी टैंकरों, बोरवेल और आरओ प्लांट्स पर निर्भर होना पड़ रहा है. निजी टैंकर संचालकों ने भी इस मौके का फायदा उठाते हुए पानी के दाम बढ़ा दिए हैं. एक टैंकर पानी के लिए जहां करीब 400 रुपए तक वसूले जा रहे हैं, वहीं 15 लीटर की कैन 5 रुपए में भरी जा रही है.

समस्या को शीघ्र दूर करेंगे

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर आवश्यक मरम्मत एवं सफाई कार्य जारी है. इस कारण हो सकता है कि पानी मटमैला आ रहा हो, लेकिन एक- दो दिन बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी और लोगों को पहले की तरह स्वच्छ पेयजल उपलब्ध रहेगा. गर्मी में लोगों को आसानी से पानी मिले इसलिए मरम्मत कार्य करना बहुत जरूरी था.

प्रिंस राठौर,
नगरपालिका अध्यक्ष

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

विज्ञति क्र./ 2026/ 483 — (Online) निविदा आमंत्रण सूचना — उज्जैन दिनांक-06/04/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैं, सिरियल क्र. 1 से सिरियल क्र. 3 का टेण्डर फार्म मूल्य 30,000/- रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

क्रं.	टेण्डर क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल	अर्नेस्टमनी रु.	समयावधि	आनलाईन क्रय करने की एवं ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक
1	2026_UAD_497053_1	क्षिप्रा नदी गऊघाट पाला पर प्रस्तावित ब्रिज हेतु पहुँच मार्ग एवं रीटेनिंग वाल का निर्माण कार्य।	12,76,45,448/-	02-08-2021 UADD ISSR SOR And 08-11-2025 UADD ISSR Road SOR	6,38,228/-	365 दिन	04.05.2026 समय 17:00
2	2026_UAD_484383_2	महाकाल चौराहे से गोपाल मंदिर होते हुए ढाबा रोड़ तक सड़क चौड़ीकरण कार्य।	13,55,09,393/-	02-08-2021 UADD ISSR SOR And 08-11-2025 UADD ISSR Road SOR	6,77,550/-	365 दिन	02.05.2026 समय 17:00
3	2026_UAD_482263_2	उज्जैन शहर अंतर्गत दो स्थानो पर कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण कार्य। एवं आवश्यक मशीनरी स्थापना कार्य	11, 22,92,352/-	02-08-2021 UADD ISSR SOR And 08-11-2025 UADD ISSR Road SOR	5,61,470/-	365 दिन	21.04.2026 समय 18:00

कार्यपालन मंत्री
नगर पालिक निगम उज्जैन